हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

9 साइकिलिंग एक सरल, सुलभ एवं प्रभावी व्यायाम...

10 भगवान परशुराम के विचारों से मजबूत होगी...

खबर संक्षेप

असलहा सप्लाई करने का आरोपी दबोचा

हिसार। सदर थाना पुलिस टीम ने अवैध असलहा सप्लाई करने के मामले में आरोपी रावलवास निवासी अंकित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गत 29 अप्रैल को सीआईए मील गेट ने आरोपी अमित को अवैध असला साहित काबू करके बंद जेल करवाया था। जांच में सामने आया कि आरोपी अमित को पकड़े गए आरोपी अंकित ने ही अवैध असला स्प्लाई किया था।

सरकारी नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी में एक धरा

हिसार। सिविल लाइन थाना पुलिस ने सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसे हड़पने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला वर्ष 2020 का है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हिसार के हरि नगर निवासी अभिषेक कक्कड़ के रूप में हुई है। इस संबंध में मिली शिकायत के अनुसार आरोपी ने शिकायतकर्ता हुकुमचंद को सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा देकर उससे रुपए ऐंठ लिए। काफी समय बीत जाने के बावजूद ना तो नौकरी लगवाई गई और ना ही शिकायतकर्ता की रकम वापस की गई। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच करते हुए आरोपी को काबू कर लिया।

8.63 ग्राम हेरोइन के साथ दो आरोप गिरफ्तार

हिसार। पड़ाव चौकी पुलिस टीम ने ऑटो मार्केट क्षेत्र से हेरोइन के असल सप्लायर सहित दो को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों से 8 ग्राम 630 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार पड़ाव चौकी पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ऑटो मार्केट क्षेत्र से भगत सिंह नगर निवासी प्रदीप को काबू किया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 8 ग्राम 630 मिलीग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ। पूछताछ एवं जांच के दौरान पुलिस ने हेरोइन सप्लाई करने वाले आरोपी मुल्तानी चौक निवासी निखिल को भी काबू कर लिया।

रास्ता रोककर मारपीट में एक और पकड़ा गया

हिसार। आजाद नगर पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक और आरोपी को काबू किया है। पुलिस ने उससे वारदात में प्रयुक्त कार व डंडा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आजाद नगर निवासी राजदीप का रास्ता रोककर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में संलिप्त बालसमंद निवासी राहुल को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि अन्य पहलुओं को लेकर जांच जारी है।

790 वाहनों की जांच कर 253 के काटे चालान

हिसार। जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा दिन-रात्रि के समय विशेष गश्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पैदल गश्त के साथ-साथ पीसीआर, राइडर एवं ईआरवी टीमों द्वारा शहर तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। इसी क्रम में पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान कुल 790 वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 253 वाहन चालकों के चालान किए गए, जिनमे 01 ड्रिंकिंग के चालान, 05 चालान बिना नंबर प्लेट, 04 ट्रिपल राइडिंग, 34 लाइन चेंज के चालान शामिल है।

आंधी के साथ तेज बरसात

तेज बारिश के बाद पटेल नगर की गली में भरा पानी।

कई इलाकों में भरा पानी, बिजली गुल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार रात तूफानी बरसात हुई। अनेक क्षेत्र जलमग्न हो गए और बिजली गुल हो गई। रविवार रात पहले तेज हवा के साथ काफी देर तक आंधी चली। इसके साथ ही बिजली गुल हो गई और तूफानी बरसात शुरू हो गई जो काफी देर तक जारी रही। बरसात की वजह से शहर के फव्वारा चौक, सैनियान मोहल्ला, कृष्णा नगर, कप्तान स्कूल रोड सहित कई क्षेत्रों में पानी भर गया। मॉनसून से पहले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हुई बरसात के साथ ही प्रशासन के बाढ़ बचाव व जल निकासी के प्रबंध हवा-हवाई हो गए।

अचानक तेज आंधी के बाद हुई बरसात के साथ ही मौसम में ठंडक महसूस होने लगी। पिछले दिनों हिसार का अधिकतम तापमान, जो 42 डिग्री तक पहुंच गया था, वह रविवार शाम तक 37 डिग्री के आसपास रहा, जो बाद में हुई बरसात से और कम होने का अनुमान है।

जानें...कैसा रहेगा मौसम

एचएयू के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि प्रदेश में पांच मई तक आंशिक बादलवाई रहने व बीच-बीच में हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान हवाओं व गरज चमक के साथ राज्य में कहीं कहीं बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावित है। मौसूम विभाग के अनुसार इस दौरान दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव न होने तथा रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

सभी 15 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुआ एग्जाम, 171 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

6605 ने दी नीट यूजी परीक्षा सुरक्षा प्रबंध रहे चाक-चौबंद

उपायुक्त व अन्य अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करके जांचीं व्यवस्थाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

जिले में रविवार को नीट यूजी परीक्षा पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। परीक्षा के सुचारू संचालन एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी परीक्षा केन्द्रों का दौरा करते रहे। उपायुक्त महेंद्र पाल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उनके साथ रहे। डायल 112 की सर्विस को एक्टिव रखा गया। सभी परीक्षा केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए मेडिकल टीमों की भी तैनाती सुनिश्चित की गई थी।

नीट परीक्षा के लिए जिले में 15 केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के लिए कुल 6776 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिनमें से 6605 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। रविवार की इस परीक्षा में 171 अनुपस्थित रहे। अधिकांश केंद्रों पर उपस्थिति संतोषजनक रही और परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

परीक्षा केन्द्रों का दौरा करते व एक केन्द्र पर सीसीटीवी की जांच करते उपायुक्त महेंद्र पाल।

उपायुक्त ने किया सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण

उपायुक्त ने केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों, फ्रिस्किंग प्वाइंट, बायोमेट्रिक सत्यापन प्रक्रिया तथा सुरक्षा प्रबंधों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष रही। उन्होंने अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए की गई व्यवस्थाओं—जैसे पेयजल, छाया, बैठने की सुविधा आदि का भी जायजा लिया और इन व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक सुगमता से पहुंचाने के लिए बसों सहित परिवहन की विशेष व्यवस्था की गई थी।

प्रशासन ने की व्यापक तैयारियां

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं। प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक तथा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई थी। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित एजेंसियों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन्हीं प्रयासों के चलते परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

साइबर ठगों के झांसे में आकर युवक ने ₹3.36 लाख गंवाए

पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

पुलिस द्वारा साइबर ठगी के प्रति लगातार सचेत करने व सावधानियां बरतने के बावजूद लोग इन ठगों के चंगुल से बच नहीं पा रहे हैं। इसी के चलते सेक्टर 13 निवासी एक युवक साइबर ठगों के झांसे में आकर 3.36 लाख रुपये गंवा बैठा। ठगों ने उसे टेलीग्राम पर टास्क पूरे करने और ब्रांडेड कंपनियों के प्रोडक्ट लाइक करने के बदले मोटे मुनाफे का झांसा दिया था, जिससे वह जाल में फंस गया। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार जब पीड़ित ने विश्वास में आकर 3.36 लाख रुपये निवेश कर दिए, तो ठगों ने उसकी आईडी ब्लॉक कर दी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपनी शिकायत में पीड़ित अमन ने बताया कि 24 अप्रैल को उसके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया था। इसमें घर बैठे टास्क पूरे कर लाभ कमाने की बात कही गई थी। जैसे ही अमन ने दिए गए लिंक पर क्लिक किया, वह सान्या वर्मा नाम की एक टेलीग्राम आईडी से जुड़ गया। शुरुआत में उसे टी-शर्ट और जूते लाइक करने का टास्क दिया गया, जिसके बदले उसे 400-500 रुपए का लाभ मिला। इस छोटे मुनाफे ने अमन का विश्वास जीत लिया। आरोपी सान्या ने अमन को ज्यादा मुनाफे का लालच देकर इंस्ट्रक्टर रमेश दुबे से मिलवाया। रमेश के कहने पर अमन ने एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक खाते से अलग-अलग 11 किश्तों में कुल 3 लाख 36 हजार 300 रुपए ट्रांसफर कर दिए। टास्क पूरा होने के बाद अमन की वर्चुअल आईडी पर 11 लाख रुपए का बैलेंस दिखने लगा लेकिन जैसे ही उसने रकम निकालने की कोशिश की, उसकी आईडी ब्लॉक कर दी गई। जब उसने आरोपियों से संपर्क किया, तो वे और रुपयों की मांग करने लगे।

पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने स्वरूप बिश्नोई, प्रणय फिलिंग स्टेशन, हेमलता, महल फिलिंग स्टेशन, ताज पेट्रोल स्टेशन और महालक्ष्मी एंटरप्राइजेज जैसे अलग-अलग नामों से जुड़ी यूपीआई आईडी पर पैसे भेजे थे। साइबर क्राइम थाना के एएसआई संजय ने बताया कि केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब उन बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की डिटेल खंगाल रही है, जिनके जरिए ठगी को अंजाम दिया गया ताकि ठगों का पता लगाया जा सके।

हिसार को 6 विकेट से हरा करनाल विजेता

हिसार। श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण केंद्र, हिसार द्वारा गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के क्रिकेट मैदान में मूक-बधिर (श्रवण एवं वाणी निशक्त) बच्चों के दो दिवसीय त्रिकोणीय क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में करनाल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसार की टीम को 6 विकेट से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि हिसार की टीम उपविजेता रही।

केंद्र के मीडिया प्रभारी सत्यपाल अग्रवाल ने बताया कि फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हिसार टीम ने निर्धारित ओवरों में 84 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी करनाल टीम ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 11 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और जीत दर्ज की। समापन समारोह के अवसर पर हरियाणा वेलफेयर सोसायटी की चेयरपर्सन मेघा भंडारी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के प्रधान पवन सरदाना मुख्य अतिथि रहे, जबकि कृष्ण चोपड़ा एवं संजीव विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर सहायक निदेशक अमित चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट में गुरुग्राम की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के दौरान भारी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी में एक गिरफ्तार

हिसार। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस टीम ने विदेश भेजने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पंजाब के डेरा बस्सी निवासी राजेश गुप्ता के रूप में हुई है।

जांच अधिकारी एएसआई रामजी ने बताया कि इस संबंध में आजाद नगर निवासी सुरेश कुमार ने शिकायत दी थी। पकड़ा गया आरोपी शिकायतकर्ता सुरेश कुमार के पीजी में रहता था। आरोपी ने शिकायतकर्ता के बेटे को विदेश भेजने तथा अच्छा रोजगार दिलाने का भरोसा देकर उससे मोटी रकम हड़प ली। काफी समय बीत जाने के बावजूद ना तो शिकायतकर्ता के बेटे को विदेश भेजा गया और ना ही उसकी रकम वापस की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अर्बन एस्टेट पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा लोगों को विदेश भेजने के नाम पर झांसा देकर पैसे लेने की बात सामने आई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है ताकि मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों तथा अन्य धोखाधड़ी के मामलों का भी खुलासा किया जा सके।

घर के बाहर बैठे रिटायर्ड कर्मचारी को कार ने मारी टक्कर, हाथ और पैर में फ्रैक्चर

- टक्कर के बाद उपचार के लिए अस्पताल ले जाने के बहाने रास्ते में छोड़ भागा कार चालक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हांसी

हनुमान कॉलोनी में रविवार सुबह घर के बाहर बैठे एक रिटायर्ड रोडवेज कर्मचारी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ने घायल को अस्पताल ले जाने का भरोसा दिया, लेकिन उसे बीच रास्ते में ही छोड़कर वाहन सहित फरार हो गया। घायल की पहचान हनुमान कॉलोनी निवासी करीब 65 वर्षीय राजबीर सिंह के रूप में हुई है, वह कुछ साल पहले ही रोडवेज विभाग से रिटायर हुए थे। उन्हें गंभीर हालत में पहले हांसी के नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया। लेकिन परिजनों ने उसे हांसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंच घायल के बयान दर्ज कर मामले की जांच आरंभ कर दी है।

हांसी : निजी अस्पताल में उपचाराधीन घायल राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

मामले की जानकारी देते घायल राजबीर के बेटे बलजीत ने बताया कि रविवार सुबह करीब 9:15 बजे उसके पिता घर के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार आई और उन्हें सीधे टक्कर मार दी, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। बलजीत के अनुसार, हादसे के बाद चालक ने अपनी गलती मानते हुए उसके पिता जी को अस्पताल ले जाने की बात कही। इस पर उन्होंने कार चालक पर भरोसा कर उन्होंने अपने पिता को कार में बैठा दिया और मैं खुद बाइक से अस्पताल की ओर रवाना हो गया। लेकिन रास्ते में आरोपी चालक उसके घायल पिता जी को हिसार बाईपास स्थित समाधा रोड के पास छोड़कर मौके से फरार हो गया। बलजीत ने बताया कि कुछ देर बाद उसके घायल पिता ने फोन कर कार चालक द्वारा उसे रास्ते में उतार कर भाग जाने की जानकारी दी। इसके बाद वह मौके पर पहुंचा और अपने पिता को वहां से उठाकर हांसी के नागरिक अस्पताल लेकर गया। परिजनों के अनुसार, राजवीर के हाथ में दो जगह फ्रैक्चर है तथा पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं।

एडवाइजरी डिजिटल दौर में बढ़ा साइबर खतरा, हिसार पुलिस ने जारी किए सेफ्टी टिप्स

अनजान लिंक और वीडियो कॉल बन सकते हैं जाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

डिजिटल लेनदेन और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रयोग के बीच साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। आमजन को वित्तीय और मानसिक नुकसान से बचाने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने एक विशेष साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखने के लिए निम्नलिखित सावधानियों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने चेताते हुए कहा कि वित्तीय लेनदेन में सावधानी रखें। इसके तहत कभी भी किसी अनजान व्यक्ति या कथित बैंक अधिकारी के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन या इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड साझा न करें। बैंक कभी भी फोन पर ऐसी जानकारी नहीं मांगता। पैसे प्राप्त करने के लिए किसी क्यूआर कोड को स्कैन करने या पिन डालने की आवश्यकता नहीं होती। यदि कोई आपसे पैसे भेजने के नाम पर कोड स्कैन करवा रहा है, तो वह ठग है। व्हाट्सएप, एसएमएस या ईमेल पर आने वाले संदिग्ध इनाम या ऑफर वाले लिंक्स पर क्लिक न करें। ये फोन का कंट्रोल ले सकते हैं। सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के दौरान सेक्स्टॉर्शन से बचें। अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल को उठाने से बचें। साइबर अपराधी वीडियो रिकॉर्ड कर उसे अश्लील तरीके से एडिट करते हैं और फिर ब्लैकमेल करते हैं। अपने व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर टू स्टेप वेरिफिकेशन तुरंत सक्रिय करें। अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें। यदि आपका कोई परिचित सोशल मीडिया पर अचानक पैसों की मांग करे, तो उसे पैसे देने से पहले कॉल करके वास्तविकता जरूर जांचें। घर बैठे लाखों कमाएं या यूट्यूब वीडियो लाइक करके मुनाफा पाएं जैसे टेलीग्राम और व्हाट्सएप मैसेज पूरी तरह फर्जी हैं। शुरुआत में ये ठग आपको थोड़ा मुनाफा देंगे और फिर बड़ी रकम निवेश कराकर गायब हो जाएंगे। पुलिस के अनुसार गोल्डन ऑवर में पुलिस को सूचना दें। यदि साइबर ठगी का शिकार होते हैं, तो बिना समय गंवाए पहले 1-2 घंटे के भीतर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। इसके अलावा अपनी शिकायत तुरंत पोर्टल पर दर्ज कराएं। समय पर दी गई सूचना से पैसे बैंक खाते में ही फ्रीज किए जा सकते हैं।

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन।

हर्ष फायरिंग करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : एसपी विनोद

हांसी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने शादी समारोहों, सामाजिक आयोजनों एवं अन्य खुशी के अवसरों पर की जाने वाली हर्ष फायरिंग बारे आमजन के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि हर्ष फायरिंग न केवल एक खतरनाक कृत्य है, बल्कि यह कानूनन दंडनीय अपराध भी है, जिससे कभी भी जान-माल का गंभीर नुकसान हो सकता है।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि अक्सर देखने में आता है कि खुशी के अवसरों पर लोग उत्साह में आकर हर्ष फायरिंग करते हैं, जो कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। ऐसी घटनाओं में निर्दोष व्यक्तियों की जान तक चली जाती है या वे गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इस प्रकार की लापरवाही किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। एडवाइजरी के माध्यम से पुलिस अधीक्षक ने आमजन को अवगत कराया गया है कि बिना वैध लाइसेंस के हथियार रखना या उसका उपयोग करना पूरी तरह से अवैध है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि लाइसेंसधारी व्यक्ति भी सार्वजनिक स्थानों, विवाह समारोहों, जुलूसों या भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में हर्ष फायरिंग नहीं कर सकते। ऐसा करने पर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस रद्द करने जैसी कार्रवाई भी शामिल हो सकती है। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि वे खुशी के अवसरों को सुरक्षित एवं जिम्मेदारी के साथ मनाएं और हर्ष फायरिंग जैसी खतरनाक गतिविधियों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि समाज की सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

कृष्णा नगर में 10 दिन से सीवरेज व्यवस्था चरमराई

हिसार। कृष्णा नगर में बिजली बोर्ड कार्यालय से चूना भट्टी की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर पिछले 10 दिनों से सीवरेज व्यवस्था चरमराई हुई है। क्षेत्र के बजरंग शर्मा, गुलशन, अनिल व कुलदीप ने बताया कि दुर्गंध के कारण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के अलावा राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि पैदल चलना भी दूभर हो गया है। जन स्वास्थ्य विभाग को समय रहते ध्यान देकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

कहानी
डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ू सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुज़ुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाज़ा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते है। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी- वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

> *युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।*

> वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

समीक्षक
डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा
कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल
श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़्में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता
सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

व्यंग्य
विनीत पाण्डेय

> *अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।*

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतजार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ . अंजना गर्ग
कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

योग भगवान कृष्ण कपिला गोशाला में हुआ धार्मिक अनुष्ठान

यज्ञ-हवन से होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार : आचार्य राघव

मंत्रोच्चार और अग्नि की पवित्रता से मन को शांति मिलती है, तनाव होता है कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। श्री योग भगवान कृष्ण कपिला गोशाला के सदस्य हवन-यज्ञ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली बाइपास पर स्थित श्री योग भगवान कृष्ण कपिला गौशाला में पंडित राघव आचार्य वृंदावन वालों के सानिध्य में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित राघव आचार्य ने हवन यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हवन यज्ञ प्राचीन काल से चलता आ रहा है, शास्त्रों के अनुसार हवन (यज्ञ) करने से वातावरण शुद्ध होता है, रोगाणु नष्ट होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, क्योंकि इससे सांस संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है, और मानसिक तनाव कम होता है। धार्मिक दृष्टिकोण से, यह घर से नकारात्मक ऊर्जा, ग्रह दोष और वास्तु दोष को दूर कर समृद्धि लाता है। हवन में इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियों (जैसे नीम, आम की लकड़ी, कपूर) के जलने से हानिकारक जीवाणु नष्ट होते हैं, और हवा शुद्ध होती है। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और यह घर के वातावरण से नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर सकारात्मकता लाता है। हवन के दौरान मंत्रोच्चार और अग्नि की पवित्रता से मन को शांति मिलती है और तनाव कम होता है। इसलिए हमें समय समय पर हवन यज्ञ करते रहना चाहिए। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामुहिक आहुति डाली। इस अवसर पर गौशाला के प्रधान भीमसेन असीजा ने गौमाता के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि समृद्धि और कल्याण की प्राप्ति के लिए गौ सेवा से बड़ा कोई दूसरा साधन नहीं है। गौ सेवा से जो आनंद प्राप्त होता है, उसकी कोई सीमा नहीं है। इसके उपरांत विधिवत रूप से भगवान की आरती की गई व श्रद्धालुओं में लंगर प्रसाद वितरित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुनील कटारिया, प्रवीण असीजा, प्रवीण वर्मा, महेश नारंग, विजय ढल, देसराज मनचंदा, डॉ महिपाल मुंजाल, संजय गोगिया, श्रवण पाहवा, बलदेव ग्रोवर, हंसराज नारंग, नीरज ढींगरा, हरिओम बांगा, अशोक छाबड़ा, सुरेंद्र अनेजा, सुभाष सरदाना, संजय गिरधर, गुलशन सेहरा, नीरज वर्मा, शम्मी नागपाल, विनोद महता, नरेंद्र शर्मा, हरबंस नागपाल, पुनीत मैनी, मनोज बजाज, संत रामानंद महाराज के अलावा गौशाला कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

हिसार। साइकिलिंग करते अधिकारी, कर्मचारी व किसान। फोटो: हरिभूमि

साइकिलिंग एक सरल, सुलभ एवं प्रभावी व्यायाम : प्रो. विनोद वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

स्वास्थ्य, फिटनेस एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फिट इंडिया अभियान, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) एवं एग्रीविजन के संयुक्त तत्वावधान में 'रविवार साइकिल पर-अन्नदाता फिटनेस राइड' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के अन्नदाताओं (किसानों) के सम्मान में जन-जन को फिटनेस के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से आरंभ हुआ, जिसमें किसानों, विद्यार्थियों एवं युवाओं ने भाग लेते हुए साइकिल रैली निकाली। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर न केवल अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखाई, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ जीवनशैली का संदेश भी दिया। इस अवसर पर कुलपति, लुवास, प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली का शुभारंभ किया तथा स्वयं भी विश्वविद्यालय परिसर में साइकिल चलाकर फिटनेस, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक संदेश दिया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि साइकिलिंग एक सरल, सुलभ एवं प्रभावी व्यायाम है, जिसे अपनाकर हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं एवं किसानों से अपील की कि वे नियमित रूप से फिटनेस गतिविधियों में भाग लें और 'फिट इंडिया' अभियान को जन-आंदोलन बनाएं।

विशिष्ट अतिथि हकृवि के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खीचड़ ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदाता के सम्मान में आयोजित यह राइड युवाओं को उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सराहनीय प्रयास है।

ये रहे मौजूद

हेमंत कौशिक, पुनीत शर्मा, पवन दुबे, अंकित, पुष्पम चौधरी, लखविंदर सिंह, ऋषिपाल यादव, डॉ. पुलकित चुघ एवं निकुंज शर्मा उपस्थित रहे।

हरियाणा सुजोक हेल्थ केयर सेंटर की सब ब्रांच का उद्घाटन

नारनौंद। हरियाणा सुजोक हेल्थ केयर सेंटर की एक नई सब-ब्रांच का शुभारंभ खेड़ी चौपटा, उचाना रोड पर किया गया। इस हेल्थ केयर सेंटर का संचालन मुख्य रूप से सुजोक थेरेपिस्ट राजसिंह बौद्ध करेंगे। हर हफ्ते शुक्रवार को सरदानंद राजली भी यहां सुजोक थेरेपी की सेवाएं देंगे। सुजोक क्लिनिक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक सेवाएं देंगे जबकि रविवार को क्लिनिक बंद रहेगा। राजसिंह बौद्ध इससे पहले हरियाणा सुजोक हेल्थ केयर सेंटर, बरवाला में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इस नई शाखा का उद्घाटन सुजोक चिकित्सक सरदानन्द राजली द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरदानंद राजली ने कहा कि सुजोक थेरेपी एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति है, जिसके माध्यम से बिना दवाइयों के भी अनेक रोगों का उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि इस पद्धति में हाथों और पैरों के विशेष बिंदुओं (पॉइंट्स) को शरीर के विभिन्न अंगों का प्रतिनिधि माना जाता है, और इन बिंदुओं पर दबाव, बीज चिकित्सा, चुंबक, रंग चिकित्सा तथा ध्यान (मेडिटेशन) के माध्यम से उपचार किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण गैस, जोड़ों का दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तनाव तथा पाचन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में सुजोक थेरेपी एक प्रभावी प्राकृतिक विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है, जो शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को सक्रिय कर रोगों से राहत प्रदान करती है।

नारनौंद। सुजोक सेंटर के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्ति।

केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों को मजदूर विरोधी बताया

मजदूरों के हक के लिए इंटक हमेशा संघर्षरत रहेगा : धर्मवीर

- राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का 79वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। इंटक के स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी।

जिला कांग्रेस भवन में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का 79वां स्थापना दिवस उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला हिसार इंटक यूनियन की सभी तहसीलों से सैकड़ों कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जोरा सिंह पाबड़ा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा इंटक के महामंत्री धर्मवीर सिंह लोहान एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार नैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धर्मवीर सिंह कुलेरी ने किया।

मुख्य वक्ता धर्मवीर सिंह लोहान ने बताया कि इंटक की स्थापना 3 मई 1947 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, गुलजारीलाल नंदा एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे महान नेताओं ने की थी। इंटक देश का सबसे बड़ा मजदूर संगठन है, जिसकी सदस्य संख्या लगभग 3 करोड़ 60 लाख है। उन्होंने कहा कि इंटक हमेशा गांधीवादी सिद्धांतों पर चलते हुए अनुशासन और संवाद के माध्यम से मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहा है। साथ ही उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मजदूरों के हकों के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि श्रम मंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में विरोध दर्ज कराया जाएगा। इसके अलावा 10 मई को हिसार की जाट धर्मशाला में प्रातः 10 बजे प्रदेश स्तरीय कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा, जिसमें मनरेगा व निर्माण मजदूरों के मुद्दों पर ठोस निर्णय लिए जाएंगे। इस दौरान निर्माण मजदूरों के पंजीकरण को पुनः शुरू करवाने और बंद किए गए पोर्टल को खोलने की मांग भी उठाई गई।

इन्होंने लिया भाग

इस अवसर पर उकलाना तहसील प्रधान केसर गहलोत, बरवाला से मीना खेदड़, खेड़ी चोपटा से मिस्त्री चतर सिंह, नारनौंद से अनिल कुमार, मिलकपुर से फूल कुमार, हांसी से रोहित, आदमपुर से अनूप कुमार, प्रदीप बांडा, नरेंद्र कुमार अग्रवाल, तथा तहसील महामंत्री जितेंद्र मलिक सहित अनेक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अपने समर्थकों के साथ भाग लिया।

मॉर्निंग वॉक कमेटी टाउन पार्क के सदस्यों ने डोबी गुरुकुल में फल बांटे

हिसार। मॉर्निंग वॉक कमेटी टाउन पार्क के सदस्यों ने निकटवर्ती गांव डोबी में स्थित गुरुकुल में रह रही कन्याओं को फल फ्रूट्स खिलाए व स्टेशनरी, मैट इत्यादि भेंट किए। इस अवसर पर अमित भाटिया उप आबकारी कराधान आयुक्त व प्रवीण असीजा ने गुरुकुल द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि निःस्वार्थ भावना से इस प्रकार के नेक कार्य करने से केवल एक मानवीय कार्य है, बल्कि यह समाज के सशक्तिकरण, समानता और शिक्षा के दर को बढ़ावा देता है। इससे बेटियां आत्मनिर्भर बनती हैं, शिक्षा दर में सुधार होता है।इसलिए हमें अपने जीवन काल मे ऐसे कार्यो में अपना यथासंभव सहयोग अवश्य करना चाहिए।जिससे मन को अजीब सकून मिलता है। इसके अलावा मोर्निंग वाक कमेटी के सदस्यों ने गुरुकुल के कुलपति बलजीत सिंह को पगड़ी पहना कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर गुरुकुल के कुलपति बलजीत सिंह ने मोर्निंग वाक कमेटी के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर कमेटी के प्रधान अश्विनी सच्चर, पूर्व प्रधान सुनील कटारिया, सेवानिवृत बिक्री कर अधिकारी श्रवण पाहवा, पुनीत मैनी, इंद्र मनोचा, प्रवीण असीजा, सुरेंद्र अनेजा, सुभाष कथूरिया, प्रवीण वर्मा, संजय चुघ, सुभाष सरदाना के अलावा काफी सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हिसार। मोर्निंग वाक कमेटी के सदस्य गुरुकुल में कन्याओं व स्टाफ के साथ।

प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया ने चलाया प्रचार अभियान

उकलाना। नगर पालिका चुनाव को लेकर भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने ओबीसी समाज की बैठक कुमार धर्मशाला में ली। यहां सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे और भाजपा को मजबूती देने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि कमल का फूल लक्ष्मी का स्वरूप है और समृद्धि का प्रतीक है, इसलिए सभी को कमल के फूल वाला बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल को विजयी बनाना चाहिए। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मंत्री अनूप धानक सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सफेद मोतियाबिंद से प्रभावित 12 बुजुर्ग मिले

- भाविप की केशव शाखा ने लगाया नि:शुल्क नेत्र जांच व नेत्र ऑपरेशन शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। भाविप की केशव शाखा द्वारा सेवक सभा अस्पताल में आयोजित नि:शुल्क शिविर में उपस्थित अतिथिगण व पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

भारत विकास परिषद की केशव शाखा द्वारा सेवक सभा अस्पताल के सहयोग से समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए प्रति माह आंखों का निःशुल्क जांच एवं सफेद मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया जाता है। आंखों के निशुल्क ऑपरेशन का यह प्रकल्प समाज के सहयोग से निरंतर चल रहा है। इसी कड़ी में सफेद मोतियाबिंद ऑपरेशन कैंप का आयोजन केशव शाखा की सदस्य मीनाक्षी लाहौरिया के सहयोग से उनके पिता स्वर्गीय दयानंद लुहारीवाला की पुण्य स्मृति में उनकी पत्नी सावित्री देवी द्वारा लगवाया गया।

कैंप की विधिवत शुरुआत मुख्यातिथि मीनाक्षी लाहौरिया व सुरेंद्र लाहौरिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ नम्रता अग्रवाल व सेवक सभा अस्पताल के ट्रस्टी एवं केशव शाखा के पूर्व अध्यक्ष मुकेश बंसल द्वारा संयुक्त रूप से मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर के की गई।

सेवा गतिविधि संयोजक विराट अग्रवाल ने सावित्री देवी व मीनाक्षी लाहौरिया एवं उनके परिवार का कैंप में पूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे भाविप केशव शाखा द्वारा निरंतर लगाए जा रहे निशुल्क कैंप की सेवा को गति मिलेगी, साथ ही सेवक सभा चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल की प्रबंधक समिति का आभार भी व्यक्त किया। इस कैंप में 12 रोगियों को निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

ये रहे मौजूद

नगर संघ चालक राहुल अग्रवाल, केशव शाखा परिवार से प्रांत गतिविधि (पर्यावरण) संयोजक माणिक मित्तल, सरपरस्त सुरेंद्र लाहौरिया, शाखा महिला गतिविधि संयोजिका मीनाक्षी शर्मा, आनंद गुप्ता, दीपक गौतम, शक्ति अग्रवाल, सतीश बंसल, अशोक वर्मा, मुकुल मित्तल, राकेश शर्मा, संजय बंसल व अस्पताल से ऑफिस एवं नेत्र रोग विभाग के स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

गुरु दक्ष आईटीआई में रोजगार मेला 8 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

आर्यनगर स्थित गुरु दक्ष आईटीआई में कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। बैठक में नए प्रवेश सत्र की तैयारियों और विद्यार्थियों के लिए रोजगार के बेहतर अवसर सुनिश्चित करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

संस्थान के प्रधान कृष्ण कुमार सिंहमार ने बताया कि 8 मई को देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करेगी। इस दौरान कंपनी अपने नीमराना (अलवर, राजस्थान) स्थित प्लांट के लिए 100 से अधिक तकनीकी पदों पर आईटीआई पास युवाओं का चयन करेगी। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में 18 से 24 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे, जिसमें योग्य विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले ढाई वर्षों में यह पांचवीं बार है जब हीरो मोटोकॉर्प इस संस्थान में रोजगार मेले के लिए पहुंच रही है। संस्था के महासचिव संदीप गंगवा ने बताया कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए संस्थान और हीरो मोटोकॉर्प के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति बन चुकी है। इस समझौते के तहत फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन और ड्राफ्ट्समैन (सिविल) ट्रेड के विद्यार्थियों को सीधे रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। बैठक में कोषाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता बस्तीराम भोभरिया ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

अधूरे वादे | 11 बिरादरियों की जमीन के मालिकाना हक का मुद्दा भी अब तक लंबित

ब्राह्मण आयोग गठित करने का खट्टर का वादा अधूरा : वत्स

- पिता के अपमान के बाद भी कुलदीप बिश्नोई भाजपा में चुप क्यों, स्पष्ट करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने कहा है कि परशुराम जयंती मनाना अच्छी बात है, लेकिन जब समाज के अधिकारों की लड़ाई की बात आती है, तो नेताओं को पीछे नहीं हटना चाहिए। कुलदीप वत्स ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा करनाल में ब्राह्मण आयोग गठित करने की घोषणा की गई थी लेकिन आज तक उसे अमलीजामा नहीं पहनाया गया। उन्होंने कहा कि 11 बिरादरियों की जमीन के मालिकाना हक का मुद्दा अब भी लंबित है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण पाने वाले बच्चों की ज्वाइनिंग भी रुकी हुई है।

कुलदीप वत्स यहां एक कार्यक्रम में आए हुए थे। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने विधानसभा में (ईडब्लूएस)के मुद्दे को उठाया, तो मंत्रियों ने यह कहकर बात टाल दी कि उन्होंने समाज के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने भाजपा नेताओं को घेरते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति समाज के कोटे से टिकट लेकर सत्ता में आता है, तो उसके लिए उस समाज के बच्चों के अधिकारों के लिए लड़ना भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है।

विधायक कुलदीप वत्स ने कहा कि 4 जून को आने वाले पांच राज्यों के चुनावी नतीजों को लेकर देश के पांचों राज्यों में अलग-अलग दल मजबूत स्थिति में हैं। कहीं कांग्रेस, कहीं भाजपा, तो कहीं ममता बनर्जी जैसी क्षेत्रीय नेता अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। कुलदीप वत्स ने एग्जिट पोल पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान समय में ये कई बार वास्तविक नतीजों से मेल नहीं खाते, इसलिए अंतिम परिणाम आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने कहा कि यदि मामन खान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो रही है और वे दोषी हैं, तो सरकार को सबूत सार्वजनिक करने चाहिए और कानून के तहत सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दुर्भावना के चलते उन्हें लंबे समय से निशाना बनाया जा रहा है, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए सही नहीं है।

हांसी। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते विधायक कुलदीप वत्स। फोटो : हरिभूमि

वत्स ने कहा कि राजनीतिक दलों को बदला-बदली की राजनीति से बचना चाहिए, क्योंकि इस तरह की बैर-भाव वाली राजनीति पहले भी नुकसान पहुंचा चुकी है। ऐसी ही राजनीति ने पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के शासन को भी प्रभावित किया था।

कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने जजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दुष्यंत चौटाला उसी सरकार का हिस्सा रहे हैं, जिसके कार्यकाल में किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर लाठीचार्ज हुआ और किसानों को अपमान का सहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि वे दुष्यंत चौटाला का सम्मान करते हैं। जो फुटेज सामने आई है, उसको देखते हुए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भजनलाल को लेकर राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा की गई टिप्पणी पर कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की बयानबाजी राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ है। सार्वजनिक जीवन में भाषा का स्तर बनाए रखना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कुलदीप बिश्नोई से पूछा कि जहां उनके पिता जी का कथित रूप से अपमान किया गया वह आज भी भाजपा पार्टी में क्यों बने हुए हैं। कांग्रेस ने हमेशा बिश्नोई परिवार को सम्मान दिया है और उनके परिवार को मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम और सांसद जैसे महत्वपूर्ण पदों से नवाजा है।

ये रहे मौजूद

कांग्रेस प्रवक्ता सुमन शर्मा, पार्षद आशीष उर्फ पिंकू, शिव शर्मा, नन्द किशोर भारद्वाज, शैलेंद्र भारद्वाज, जिला पार्षद मनोज ताल, महेंद्र भारद्वाज व विजय कौशिक सहित पार्टी सदस्य मौजूद थे।

छाजू राम जाट कॉलेज व आर्यावर्त एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

हिसार। छाजू राम मैमोरियल जाट कॉलेज एवं आर्यावर्त एकेडमी के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। समिति संयोजक डॉ. मोनिका ने बताया कि इस एमओयू का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को कौशल आधारित प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इसके तहत विद्यार्थियों को आयुर्वेद तथा न्यूरो-लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग से संबंधित क्षेत्रों में इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के साथ-साथ आधुनिक मनोवैज्ञानिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। एमओयू पर महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार बाजिया तथा आर्यावर्त एकेडमी की ओर से निदेशक श्री मनजीत ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से डॉ. सुशील बजाज एवं डॉ. राकेश शर्मा उपस्थित रहे, जबकि आर्यावर्त एकेडमी की ओर से सुश्री अंजू मलिक भी मौजूद रहीं।

खबर संक्षेप

डॉ. योगेश के निदेशक बनने का स्वागत

हिसार। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. योगेश बिदानी को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम का निदेशक नियुक्त किए जाने पर पार्टीजनों व प्रशंसकों ने स्वागत किया है। भाजपा युवा मोर्चा अर्बन मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण गर्ग, कार्यकर्ता अमित शाह, जयबीर भुक्कल एवं अन्य ने डॉ. योगेश बिदानी को निदेशक बनने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सरेआम सट्टा खाईवाली करते एक गिरफ्तार

हांसी। सीआईए पुलिस ने सरेआम सट्टा खाईवाली के करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मंडी सैनियान निवासी दीप मोहन उर्फ दीपू के रूप में हुई है। मुख्य सिपाही मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त एवं अपराधों की रोकथाम के दौरान हिसार चुंगी के पास से आरोपी को काबू किया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक कागज पर लिखी सट्टा पर्ची तथा सट्टा खाईवाली की नकदी राशि 27 हजार 700 बरामद हुए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

एक शाम मुरली मनोहर के नाम कार्यक्रम कल

हिसार। मनोहर मोर्चा की ओर से केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिन दिवस पर एक शाम मुरली मनोहर के नाम कार्यक्रम का आयोजन 5 मई को किया जाएगा। मनोहर मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष ढींगरा व मोर्चा के सदस्यों ने बताया कि 5 मई को प्रातः 8 बजे सेक्टर 14 स्थित पंजाबी भवन में विद्वान ब्राह्मणों के सानिध्य में हवन यज्ञ किया जाएगा। इसके अलावा शाम 6 बजे पावन श्री हनुमान चालीसा पाठ व हरिनाम संकीर्तन का आयोजन रहेगा। इस अवसर पर भजन वर्षा करने भैया विजय महाजन व भैया कुशल महाजन पहुचेंगे व रात्रि 8 बजे राधा रानी की रसोई से प्रसाद का वितरण रहेगा।

26 बोतल अवैध शराब सहित महिला पकड़ी

हिसार। पीएलए चौकी पुलिस टीम ने पटेल नगर निवासी महिला अनु को 26 बोतल अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पुलिस टीम को गश्त के दौरान एक सूचना मिली। सूचना पर पुलिस तुरंत पहुंची और एक महिला को काबू कर लिया। तलाशी में उसके कब्जे से 26 बोतल अवैध शराब मार्का माल्टा मस्ती बरामद हुई। पुलिस ने महिला पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर रही है ताकि अवैध शराब के स्त्रोत एवं इस कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों के बारे में जानकारी हासिल की जा सके।

8.60 ग्राम चिट्टे के साथ एक महिला गिरफ्तार

हांसी। सीआईए-2 की टीम ने नशीले पदार्थ चिट्टा के एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार की गई महिला की पहचान हांसी निवासी सुमन के रूप में हुई है। एसआई कृष्ण कुमार ने बताया कि गश्त एवं पड़ताल के दौरान शिव कालोनी निवासी सुमन को उस समय काबू किया गया, जब वह अपने मकान के सामने चिट्टा बेचने की फिराक में बैठी थी। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 8.60 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार करके उस पर केस दर्ज कर लिया है।

जिला ब्राह्मण सभा ने मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

भगवान परशुराम के विचारों से मजबूत होगी सनातन संस्कृति

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया कार्यक्रम को संबोधित

- नौजवानों को योग्यता के आधार पर आगे बढ़ा रही सरकार, अभिभावक करें प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

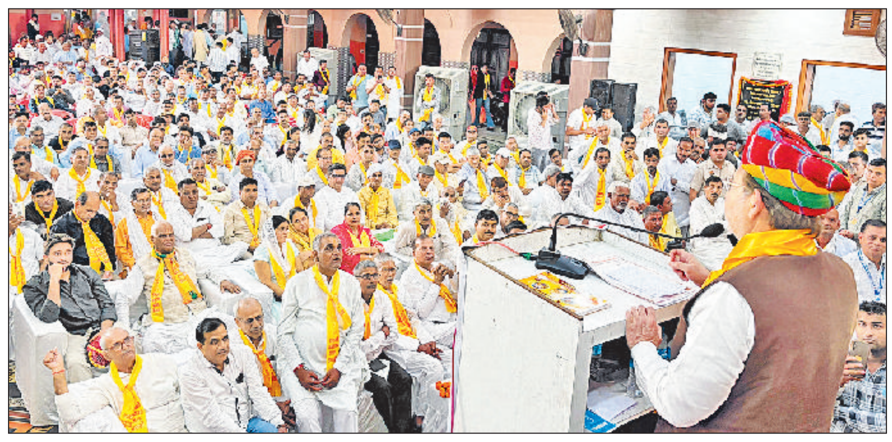

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार भगवान परशुराम के विचारों को मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है। भगवान परशुराम का जीवन मानव जीवन को भय आक्रांताओं से मुक्ति दिलाने व समाज में शांति स्थापना को समर्पित रहा। उनके विचारों को दिनचर्या में शामिल करने से सनातन संस्कृति मजबूत होगा, जो देश की मजबूती का आधार होगा।

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा रविवार को जिला ब्राह्मण सभा द्वारा जिला ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित करने उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि पूरे देश में डेढ़ माह तक भगवान परशुराम जयंती समारोह मनाए जा रहे हैं। भगवान परशुराम का जीवन, उनके विचार, गुरु, अभिभावक के प्रति उनके जिम्मेदारी निर्वहन के उदाहरण उनकी श्रेष्ठता को साबित करते हैं। आज समाज में, विशेषकर युवाओं को भगवान परशुराम के विचारों को अपनाना चाहिए, ताकि वो अपने जोश को व्यवस्थित करते हुए उनसे सीख लेकर समाज व देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभा सकें।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति सबसे पुरानी है, आज देश को मजबूत बनाना है तो हमें मिलकर सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की प्रदेश सरकार निरन्तर सन्त, महापुरुषों को सम्मान दे रही है। भिवानी में पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हो चुकी है, जबकि कैथल के सांपन खेड़ी में 900 करोड़ रुपए से भगवान परशुराम मेडिकल कालेज का निर्माण 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसी प्रकार प्रदेश सरकार ने रोहतक के पहरावर में गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैंपस की शुरुआत सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई साढ़े 15 एकड़ जमीन पर हो चुकी है, जबकि हाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएसवीपी के माध्यम से रोहतक के सेक्टर 26 में 4 एकड़ जमीन पर भगवान परशुराम विरासत व स्मृति स्थल विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गोहाना में ड्रेन 8 पर सोनीपत चुंगी से पानीपत चुंगी तक कवर करते हुए भगवान परशुराम विरासत पार्क व स्मृति स्थल एवं जॉगिंग ट्रैक स्थापित किया जाएगा, जिसपर तकरीबन 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने उपस्थितजनों से आह्वान किया कि वो भगवान परशुराम के विचारों, आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं।

इस अवसर पर जिला ब्राह्मण सभा प्रधान रतन लाल शर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष विजय कौशिक, एचपीएससी सदस्य आनंद शर्मा, सीडीएलयू रजिस्ट्रार सुनील शर्मा, हरिराम दीक्षित, पतराम, विष्णु शर्मा, दिनेश शर्मा, विजय शांडिल्य, सुरेन्द्र बनभौरी, परस राम शास्त्री, एमपी शर्मा, सुमन शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, गगन शर्मा, सुनीता शर्मा, हरिओम शर्मा, डॉ रामकुमार, रामफल पाबड़ा, रामचन्द्र, राजकुमार भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में ध्यान करवाते स्वामी संजय।

महात्मा बुद्ध का करुणा व शांति का संदेश आज के दौर में भी प्रासंगिक

- ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र और सत्संग

हिसार। महात्मा बुद्ध की शांति और करुणा पर आधारित ध्यान सत्र व सत्संग में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित सत्संग में स्वामी संजय व मां सांची ने बुद्ध के दर्शन से रूबरू करवाया। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध का करुणा और शांति का संदेश आज के दौर में भी प्रासंगिक है। बुद्ध के अनुसार सभी प्राणियों के प्रति दया और प्रेम रखना ही सच्ची साधना है। उन्होंने हमेशा क्रोध और हिंसा को त्यागने के लिए प्रेरित किया। बुद्ध ने समझाया कि क्रोध और हिंसा से कभी भी शांति प्राप्त नहीं की जा सकती।

स्वामी संजय ने बताया कि आज के संघर्षपूर्ण व तनावपूर्ण माहौल में बुद्ध का करुणा और शांति का संदेश पहले से भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल बुद्ध का ध्यान और साधना का मार्ग इंसान को आंतरिक शांति की ओर ले जाता है। महात्मा बुद्ध के जीवन मूल्यों को अपनाकर शांति व करुणामय समाज का निर्माण संभव है।

खबर संक्षेप

हैप्पी पब्लिक स्कूल में लगाया दंत चिकित्सा शिविर

हांसी। हैप्पी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों को दांतों की सही देखभाल के प्रति जागरूक करना तथा प्रारंभिक स्तर पर दंत समस्याओं की पहचान करना था। शिविर में विशेषज्ञ डायरेक्टर डॉ. स्वाति प्रिया द्वारा विद्यार्थियों के दांतों की जांच की गई तथा उन्हें उचित परामर्श दिया गया। बच्चों को सही तरीके से ब्रश करने, खान-पान में सावधानी रखने तथा नियमित जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। जिन विद्यार्थियों में दंत समस्याएं पाए जाने पर उपचार के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए। प्रधानाचार्य व डायरेक्टर सुरेंदर बेरवाल ने इस पहल को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नि:शुल्क शिविर में 65 मरीजों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

हिसार। वेदा अस्पताल की ओर से नजदीकीक गांव लाडवा की सांझी चौपाल में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. वनिता गोयल (डीएनबी मेडिसिन) ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान 65 मरीजों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में आए सभी मरीजों के लिए बीपी, ईसीजी और ब्लड शुगर की जांच पूरी तरह से निशुल्क की गई। डॉ. वनिता गोयल ने विशेष रूप से छाती, शुगर, गुर्दा और थायराइड से संबंधित रोगों के बारे में मरीजों का मार्गदर्शन किया। शिविर में खांसी, जुकाम, बुखार, हृदय रोग, और सांस की तकलीफ (दमा) जैसी समस्याओं के लिए भी उचित उपचार बताया गया। डॉ. वनिता गोयल ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि नियमित जांच के माध्यम से कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। वेदा अस्पताल हिसार के सेक्टर 16-17 में स्थित 400-बेड वाला मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है, जो अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

गुजवि की शोधार्थी ने किया प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन में शानदार प्रदर्शन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में डॉ. कालिंदी देव के मार्गदर्शन में अपनी पीएचडी कर रही शोध छात्रा प्रीति शर्मा ने 'उन्नत स्वास्थ्य सेवा और पुनर्वास विज्ञान' (एनसीएएचआरएस - एआईआईएमएस 2026) पर आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पेपर प्रेजेंटेशन' (शोध पत्र प्रस्तुति) में 'तीसरा स्थान' प्राप्त किया। शोधार्थी प्रीति अपनी मार्गदर्शक डा. कालिंदी देव के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से मिली तथा प्रमाण पत्र सौंपा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने प्रीति शर्मा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता न केवल गुजविप्रौवि के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह भारत में उन्नत स्वास्थ्य सेवा और पुनर्वास के भविष्य को संवारने में युवा शोधकर्ताओं के महत्व को भी रेखांकित करती है। इस सम्मेलन का आयोजन एआईआईएमएस, नई दिल्ली स्थित 'नेशनल सेंटर फॉर एजिंग' के जेरियाट्रिक मेडिसिन विभाग के प्रो. प्रभात रंजन द्वारा किया गया था। इसका मुख्य विषय (थीम) था 'बहु-विषयक देखभाल को पुनर्परिभाषित करना' उन्नत स्वास्थ्य सेवा के लिए साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण' (रिडिफाइनिंग मल्टीडिस्पनीनरी केयरः एविडेंस-बेस्ड एप्रोचिज फॉर एडवांस्ड हेल्थ केयर।

हिसार के फिजियोथेरेपी विभाग में डॉ. कालिंदी देव के मार्गदर्शन में किया गया उनका यह शोध कार्य, स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में साक्ष्य-आधारित पद्धतियों के बढ़ते भंडार में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो विशेष रूप से बुजुर्गों की देखभाल (जेरियाट्रिक) और बहु-विषयक पुनर्वास के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है।

कमर्शियल व पांच किलो एलपीजी सिलेंडर के मूल्यों में बढ़ोतरी वापस ली जाए : बजरंग गर्ग

- व्यापारियों की बैठक में बढ़ोतरी पर प्रकट की गई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग व्यापारी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने हाल ही में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर व पांच किलो सिलेंडर के मूल्यों में भारी भरकम बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता प्रकट की है। उन्होंने इस बढ़ोतरी को तुरंत वापिस लेने की मांग की है।

यहां व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए बजरंग गर्ग ने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर व पांच किलो वाला एलपीजी सिलेंडर में भारी भरकम बढ़ोतरी करने से देश की जनता में भारी नाराजगी है। देश के इतिहास में एलपीजी सिलेंडर के दामों में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में 993 रुपए व पांच किलो एलपीजी सिलेंडर में 261 रुपए बढ़ोतरी से खाने-पीने का समान महंगा हो जाएगा। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों की बढ़ोतरी से सीधा असर होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, फूड व्यवसाय, चाय वालों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गरीब व्यक्ति व आम जनता की खाने की थाली पर इसका सीधा असर पड़ेगा। महंगाई का सीधा असर आम आदमी, मजदूर, कर्मचारी,छोटे व मध्यम व्यापारी पर पड़ेगा।

बजरंग गर्ग ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 2014 में एलपीजी गैस सिलेंडर 250 रुपए व पेट्रोल 55 रुपए प्रति लीटर देने का वादा किया था। एलपीजी गैस सिलेंडर व पेट्रोल के रेट घटाने की बजाय उनमें बेहताशा वृद्धि करके जनता की जेबों में डाका डालने का काम सरकार ने किया है। देश व प्रदेश में जब से भाजपा सरकार आई है तब से अब तक बेतहाशा वृद्धि करने से जनता पर भारी मार पड़ी है। हर खाद्य वस्तु व जरूर का सामान महंगा हो गया है। इस अवसर पर पवन गर्ग, एनके गोयल, सतपाल अग्रवाल, अनिल सिंगला, सुरेंद्र बागड़ी, देवेंद्र गर्ग,अभिनव बंसल, सत्य प्रकाश आर्य, अनिल तनेजा, भारत सोनी, राजेंद्र बंसल, निरंजन गोयल,सुमित कुमार ओम प्रकाश गोदारा आदि प्रतिनिधि ने अपने विचार रखें।

टेट पास की अनिवार्यता रद्द करवाने के लिए अध्यापक संघ ने विधायकों को सौंपा ज्ञापन

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने टेट परीक्षा पास करने की अनिवार्यता रद्द करने की मांग पर जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा की अगुवाई और जिला सचिव विनोद प्रभाकर के संचालन में बरवाला हलका के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा तथा नलवा हलका के विधायक रणधीर पनिहार को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने 1 सितंबर, 2025 को सिविल अपील संख्या 1385/2025 में अपने फैसले में कहा है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना उन शिक्षकों के लिए भी अनिवार्य है जिनकी नियुक्ति 23 अगस्त, 2010 (एनसीटीई अधिसूचना की तिथि) से पहले हुई थी। इससे पहले, एनसीटीई ने ऐसे सभी शिक्षकों को टीईटी से पूर्ण रूप से छूट दी थी। वर्तमान फैसले के अनुसार, जिन सेवारत शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से अधिक शेष है, उन्हें निर्धारित समय सीमा दो वर्ष के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है; अन्यथा उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएगी। जिन अध्यापकों की सेवा काल पांच वर्षो से कम है उनको भी बिना टेट परीक्षा पास किए बिना कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलेगा व पदोन्नति से वंचित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश और पूरे देश में हजारों अनुभवी शिक्षक, जिनकी भर्ती 2010 से पहले के नियमों के अनुसार ही हुई थी, ने 15-30 वर्षों तक निष्ठापूर्वक सेवा की है, जिनमें से कई ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत हैं। उनमें एक नई योग्यता लागू करने से अत्यधिक कठिनाई, मानसिक पीड़ा और नौकरी खोने का भय उत्पन्न हो गया है। इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी पैदा होगी तथा प्रत्येक जिले में हजारों शिक्षकों को रोजगार से हाथ धोना पडेगा। इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव ओमप्रकाश माल, रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान मनोहर लाल जाखड़ , सचिव नरेश गौतम, अध्यापक संघ राज्य उपाध्यक्ष अलका, राज्य ऑडिटर पवन कुमार, सुमन, बिजेंद्र सिंह, संदीप मिरकां, राजेन्द्र कुमार, विजय कुमार, राजेश मेहरा, शमशेर सिंह, बाबू लाल, अशोक यादव, सीमा सोनी व सरोज बोगिया सहित सैकड़ों की संख्या में अध्यापक मौजूद रहे।

95 लीटर लाहन व अंग्रेजी शराब सहित 3 गिरफ्तार

नारनौंद। थाना बास पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब से जुड़े तीन आरोपितों को काबू करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने 95 लीटर लाहन व 12 बोतल अंग्रेजी शराब सहित तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

मुख्य सिपाही संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गांव उगालन में जुलाना रोड बस स्टेंड के पास मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक महिला अपने बंद पड़े मकान में अवैध शराब बनाने के लिए लाहन तैयार कर रही हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी वहां से उगालन निवासी महिला कविता को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान एक नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम से करीब 80 लीटर लाहन बरामद हुआ।

हाईकोर्ट के निर्णयानुसार सभी चतुर्थ श्रेणी कच्चे कर्मियों को पक्का करे सरकारः दलेल

- चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की राज्य कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन

हिसार। चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की राज्य कार्यकारिणी की मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की राज्य कार्यकारिणी की बैठक सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में राज्य प्रधान दलेल राणा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन राज्य महासचिव कपिल सिरोही ने किया।

राज्य प्रधान दलेल राणा, राज्य महासचिव कपिल सिरोही व राज्य वरिष्ठ उपप्रधान छज्जू राम ने बताया कि प्रदेश भर में विभिन्न विभागों में लाखों कर्मचारी डेली वेज, पार्ट टाइम, आउटसोर्स में 15-20 वर्षों से कार्यरत हैं। जो आज भी नाममात्र वेतन पर कार्य कर रहे हैं। यूनियन लगातार इनको पक्का करने की मांग को लेकर संघर्षरत है, परंतु प्रदेश सरकार की नियमित करने की कोई मंशा नहीं है। इसको लेकर 17 मई को कर्मचारी भवन, रोहतक में कच्चे कर्मचारियों की कन्वेंशन की जाएगी, जिसमें सभी विभागों से बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल होंगे और आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को हाई कोर्ट के निर्णयानुसार सभी चतुर्थ श्रेणी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना चाहिए। बैठक में सुमित्रा रेवाड़ी, रामफल शिकारपुर, दीपक, छबील दास, ईश्वर सोढ़ी, विजय, संदीप भिवानी, कर्मबीर, रमेश मोडी दादरी, सुभाष भट्टी सिरसा, विनोद फतेहाबाद, कुलदीप सिंह आयुष विभाग, कांता देवी व गीता सहित अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

चेक बाउंस मामले में उद्घोषित आरोपी गिरफ्तार

हांसी। पीओ स्टाफ हांसी की टीम ने चेक बाउंस मामले में एक उद्घोषित अपराधी को काबू किया है। उप निरीक्षक जोगिंद्र ने बताया कि पकड़े गए आरोपी नारनौंद निवासी शंकर को चेक बाउंस के मामले में अदालत में निर्धारित तिथियों पर लगातार गैर हाजिर चल रहा था और एसडीजेएम आशुतोष की अदालत के आदेश पर वर्ष 2021 में थाना शहर हांसी में उस पर भगौड़ा होने का मामला दर्ज करके गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया। यहां से जमानत मिलने पर आरोपी पुनः अदालत में पेश नहीं हुआ और लगातार गैर हाजिर रहा। इस पर एसडीजेएम आशुतोष की अदालत द्वारा 31 मई 2025 को आरोपी को पुनः उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया। इस पर आरोपी पर फिर से केस दर्ज किया गया। आरोपी को मदनहेड़ी गांव से काबू कर अदालत में पेश किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

खिलाड़ियों को नहीं होगी अब परेशानी मुकलान में नई कबड्डी मैट का शुभारंभ

भाजपा युवा मोर्चा नलवा प्रभारी भूपेंद्र पनिहार ने ग्रामीणों से किया वादा निभाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मुकलान गांव व खेल प्रेमियों के लिए वह पल शानदार रहा जब, खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए एक नई कबड्डी मैट का शुभारंभ गांव मुकलान की ही होनहार खिलाड़ियों ने किया। भाजपा युवा मोर्चा नलवा प्रभारी भूपेंद्र पनिहार के प्रयासों से यह संभव हुआ।

भूपेंद्र पनिहार ने बताया कि कुछ महीने पहले मुकलान वासियों ने उनसे कबड्डी के लिए एक मैट की मांग की थी ताकि खिलाड़ियों को खेल में किसी तरह की कठिनाई न हो। उस समय गांव के सरपंच, खेल प्रेमी और अन्य प्रमुख लोग मौजूद थे जिन्होंने भूपेंद्र से वादा लिया कि वे जल्द ही यह मैट उपलब्ध करवाएंगे। उनकी इस प्रतिबद्धता के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व उनकी दादी की पुण्यतिथि के अवसर पर 8 मार्च को यह मैट भेंट दिया गया था और शनिवार को इस मैट का औपचारिक उद्घाटन कर दिया गया। खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। यह मैट खेल के अभ्यास को सुगम बनाएगा, बच्चों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा, और उनकी उपलब्धियों में वृद्धि होगी। इस पहल के माध्यम से भूपेंद्र पनिहार ने गांव के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया है, ताकि वे अपने खेल कौशल को और निखार सकें, और भविष्य में और अधिक पदक जीतकर अपने जिले और प्रदेश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर कोच मनिक जागलान एवं गांव के सरपंच राजेश जाखड़ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पुलिस कर्मचारियों ने किया योगाभ्यास

हांसी। जिला पुलिस द्वारा जवानों की शारीरिक व मानसिक क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण एवं योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में पुलिस लाइन प्रभारी प्रदीप कुमार व योग प्रशिक्षक ने पुलिस कर्मियों को योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास करवाया। योग सत्र के दौरान जवानों को नियमित योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ एवं चुस्त रहता है, बल्कि मानसिक तनाव भी कम होता है, जिससे कार्यक्षमता एवं एकाग्रता में वृद्धि होती है। यह पुलिस कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक प्रभावी ढंग से करने में सहायक सिद्ध होता है।